खबर नहीं, खबरों के पीछे की खबर

रेड रोज न्यूज़

दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी मासिक समाचार पत्र

वर्ष : 18 अंक : 5 नई दिल्ली मई 2025 कुल पृष्ठ : 8 मूल्य : 2/ रूपये Regd. RNI No : DELHIN/2007/21149

भारत ने पाकिस्तान से सभी आयात पर लगाया प्रतिबंध, मोदी सरकार की इस्लामाबाद के खिलाफ एक और स्ट्राइक

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पड़ोसी देश के साथ बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान से सभी प्रकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यातित सभी वस्तुओं का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन, चाहे वे स्वतंत्र रूप से आयात योग्य हों या अन्यथा अनुमत हों, तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा। अधिसूचना में कहा गया, यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लगाया गया है। इस प्रतिबंध में किसी भी अपवाद के लिए भारत सरकार की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी। 2 मई की अधिसूचना में कहा गया कि इस संबंध में विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 में एक प्रावधान जोड़ा गया है, ताकि पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यात

किए जाने वाले सभी सामानों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन पर रोक लगाई जा सके। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2024 और फरवरी 2025 के बीच भारत का पाकिस्तान को निर्यात ख्साल–दर–साल, 56.91 प्रतिशत घटकर 491 मिलियन डॉलर रह गया। जबकि कोई आयात नहीं हुआ। वित्त वर्ष 2025 में पाकिस्तान को किए गए शीर्ष निर्यात में ड्रग फॉर्मूलेशन, चीनी, थोक दवाएं, अवशिष्ट रसायन और ऑटो घटक शामिल थे। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच एकमात्र व्यापार मार्ग अटारी–वाघा सीमा को पहले ही बंद कर दिया गया था।

इस बीच मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित बहुपक्षीय एजेंसियों से पाकिस्तान को दिए गए धन और ऋण पर फिर से विचार करने के लिए कहेगा। साथ ही वैश्विक धन शोधन निरोधक एजेंसी, वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) से इस्लामाबाद को श्ग्रेश सूची में डालने की अपील की जाएगी। एक सरकारी सूत्र ने कहा कि भारत, दिवालियापन से बचने में मदद के लिए हाल के महीनों में आईएमएफ की ओर से पाकिस्तान को दी गई सुविधाओं की समीक्षा की मांग करेगा। वह परियोजनाओं को फंड देने वाली विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक जैसी अन्य एजेंसियों के साथ भी संपर्क में है। पाकिस्तान गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है। वह पूरी तरह से विदेशी कर्ज पर निर्भर है। अगर पाकिस्तान को मिलने वाली विदेशी आर्थिक मदद को रोक दिया जाए या मुश्किल बना दिया जाए तो उसके लिए अपने वजूद को बचाना ही सबसे बड़ा सवाल बन जाएगा। बता दें आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल–पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर गोलियां चला दी थीं। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। पहलगाम हमले के बाद भारत–पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। नयी दिल्ली ने इस्लामाबाद के खिलाफ कई सख्त कूटनीतिक और रणनीतिक कदम उठाए हैं। इनमें 1960 के सिंधु जल समझौते को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने, अटारी इंटिग्रेटेड चेक पोस्ट को बंद करने, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने, शामिल हैं।

यह नया भारत, घर में घुसकर मारेगा-पहलगाम आतंकी हमले पर बोले शेखावत

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दो टूक कहा है कि भारत अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम, समर्थ, सशक्त और स्वतंत्र है और यह नया भारत है जो घर में घुसकर मारेगा। शेखावत शनिवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में पहलगाम आतंकवादी हमले और उसके बाद पाकिस्तान में भय के माहौल से जुड़े सवाल पर यह बात कहते हुए कहा कि पहलगाम की घटना का माकूल जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में भय होना भी चाहिए। गोस्वामी तुलसीदासजी ने रामचरितमानस में लिखा है, 'भय बिनु होई न प्रीत'। उन्हें लगता है कि जब भारत ने उरी और पुलवामा के बाद सर्जिकल स्ट्राइक कर संदेश दिया था कि भारत की भूमि और बाहर से हमारे विरुद्ध चलने वाली गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा, उसके बाद पिछले पांच–छह साल से कोई बड़ी आतंकवादी घटना नहीं हो पाई थी। अब फड़फड़ाते हुए एक बार फिर ऐसी कायराना हरकत की गई है। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है। घर में घुसकर मारेगा। पहलगाम की घटना का माकूल जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बात का खुले में इजहार कर चुके हैं। पाकिस्तान के नेताओं के गौरी–गजनवी मिसाइल और एटम बम की धमकी देने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि गौरी–गजनवी पहले भी थी। गौरी–गजनवी तो भारत में आकर अनेक बार चोट खाकर गए

थे। जब हमने एयर स्ट्राइक की थी, तब भी गौरी–गजनवी मिसाइल थी। उन्होंने कहा कि आज से हजार साल पहले भी हमारे पूर्वजों ने इनको ठीक सबक सिखाया था। एक बार फिर गौरी–गजनवी को हमारी अग्नि और ब्रह्मोस प्रतिकूल जवाब देंगी। उन्होंने कहा "दुनिया के देश, जिन्होंने आतंकवाद का दर्द और दंश झेला है, इस समय भारत के साथ में खड़े हैं। विश्व इस बात को स्वीकार कर रहा है कि आतंकवाद की जड़ें पाकिस्तान में पालित पोषित और सिंचित हो रही हैं। अमेरिका ही नहीं, दुनिया के सभी देश पूरी ताकत के साथ भारत के साथ खड़े हैं, लेकिन मैं यह कहूंगा कि कोई खड़ा हो या न हो, भारत अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम भी है, समर्थ भी है, सशक्त भी है और स्वतंत्र भी है।सिंधु जल संधि निलंबित करने के सवाल पर श्री शेखावत ने कहा कि पिछले सभी युद्धों के समय भी हमने सिंधु जल संधि की पवित्रता पर आंच नहीं आने दी थी लेकिन प्रधानमंत्री का स्पष्ट कहना है कि अब समय आ गया है, जब रक्त और पानी, दोनों साथ नहीं बहेंगे। आजादी के 75 साल बाद हमको इस पर भी विचार करने की आवश्यकता है कि किस दबाव में, क्यों भारत के हितों के साथ, भारत के किसानों के हितों के साथ, भारत के लोगों के हितों के साथ समझौता करते हुए इस संधि को किया गया था। उन्होंने कहा कि संधि निलंबित होने से पाकिस्तान में बौखलाहट स्वाभाविक है।

अब यह घबराहट बनी रहेगी। सिंधु का जल राजस्थान तक लाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह मानते है कि यही भारत के हित में होगा। हालांकि इस पर जल्दबाजी न तो आवश्यकता है और न ही उसका समय है। जाति जनगणना और महिला आरक्षण के सवाल पर शेखावत ने कहा कि आजादी के बाद जिस तरह से देश में परिवर्तन हुआ, देश विकसित हुआ, निश्चित रूप से इस समय में एक नए सिरे से समीक्षा करने की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा "इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए, जो गरीब के कल्याण के लिए होगा, वंचितों के कल्याण के लिए होगा, जो पीछे रह गए हैं, अंत्योदय की भावना के अनुरूप उन सबको बराबरी तक लाने का अवसर प्रदान करने वाला होगा, मैं प्रधानमंत्रीजी के इस निर्णय का हृदयपूर्वक स्वागत करता हूं।" ओटीटी और सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट परोसने से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रत्यक्ष रूप से सूचना प्रसारण मंत्रालय का विषय है। देश ने इसके ऊपर अपनी चिंता व्यक्त की है।

पाकिस्तान को सबक सिखाएं सरकार, दिखावे की कार्रवाई बंद करें : राशिद अल्वी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने ने पाकिस्तान से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर खुलकर राय रखी और केंद्र सरकार पर जुबानी हमला किया। अल्वी ने कहा कि सरकार जो कदम उठा रही है, वह सिर्फ दिखावे के लिए हैं। इससे देश की जनता को संतुष्टि नहीं मिल सकती। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के यूट्यूब चौनल पर भारत में बैन और मंत्री तरार के श्एक्सश अकाउंट ब्लॉक होने पर प्रतिक्रिया देते हुए अल्वी ने कहा कि सरकार जो मुनासिब समझे, करे। लेकिन, देश के लोग चाहते हैं कि बदला लिया जाए। सुषमा स्वराज कहा करती थीं कि अगर एक भारतीय मारा जाएगा, तो हम बदले में दस सिर लाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद भी यही कहते थे, तो आज पूरा देश इंतजार कर रहा है कि किस तरीके से पाकिस्तान को सबक सिखाया जा सकता है।

10.वीर सावरकर ब्लॉक शर्मा कॉम्प्लेक्स शकर पुर दिल्ली 110092
Email : redrosenews.24seven@gmail.com

सम्पादकीय

कार्नी का नया कनाडा

कनाडा के आम चुनावों में मार्क कार्नी के नेतृत्व में लिबरल पार्टी की जीत भारत से संबंधों में सुधार के नजरिये से बेहद महत्वपूर्ण है। चुनाव से पूर्व और चुनाव के दौरान कार्नी कहते रहे हैं कि आने वाले समय में भारत से बेहतर रिश्ते बनेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की दुराग्रह और पृथक्तावादियों के दबाव के चलते भारत कनाडा संबंध अपने सबसे बुरे दौर में पहुंच गए थे। कार्नी की जीत से उम्मीद जगी है कि दोनों देशों के संबंध ा फिर से पटरी पर लौटेंगे। दरअसल, एक अपरिपक्व राजनेता की तरह जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर प्रकरण को जिस तरह तूल दिया, उसके चलते दोनों देशों के संबंध बेहद खराब स्थिति में पहुंचे। हालांकि, भारत सरकार ने निज्जर प्रकरण में हाथ होने के दावों का दृढ़ता से खंडन किया था। लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के राजनीतिक, आर्थिक संबंध और लोगों के आने–जाने का उपक्रम बुरी तरह प्रभावित हुआ था। निस्संदेह, कार्नी का फिर सत्ता में लौटना संबंधों में सुधार का स्पष्ट संकेत है। वे अपने पूर्ववर्ती के विपरीत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित आर्थिक विशेषज्ञ, व्यावहारिक राजनेता और बयानों में संतुलन रखने वाले व्यक्ति हैं। दरअसल, हाल के चुनावों में उनका 'मजबूत कनाडा, मुक्त कनाडा' का नारा खूब चला। ट्रंप के टैरिफ वार और बार–बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के बयानों ने कनाडा के लोगों में असुरक्षा का भाव भर दिया। कनाडाई जनमानस को पढ़ने में सक्षम कार्नी ने इस मुद्दे को हथियार बनाकर पार्टी की सत्ता में वापसी करा दी। अन्यथा कुछ समय पूर्व पार्टी के पराजय को लेकर दावे किए जा रहे थे। दरअसल, उन्होंने कनाडा को मजबूत करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को बहाल करने की बात कही ताकि घरेलू स्थिरता को मजबूत किया जा सके। निश्चित रूप से कार्नी का यह दृष्टिकोण व्यापारिक, रणनीतिक व लोगों को जोड़ने की दृष्टि से भारत के लिये महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा। एक सफल केंद्रीय बैंकर और अनुभवी निवेशक के रूप में कार्नी भारतीय बाजार से जुड़ने की आकांक्षा रखते हैं। बहरहाल, कार्नी के कनाडा की सत्ता में वापसी और भारत विरोधी तत्वों के सिमटने से नये सिरे से व्यापार वार्ता शुरू करने, छात्र वीजा सुविधा के विस्तार और आव्रजन नीतियों में स्थिरता की उम्मीद जगी है। उनकी जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बधाई देने में मजबूत साझेदारी की उम्मीद झलकती है। हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट से हजारों भारतीय छात्रों और आप्रवासियों का भविष्य प्रभावित हुआ। वीजा में देरी, पढ़ाई के बाद काम की चिंता और कथित रूप से कटुतापूर्ण माहौल ने एक सपनों के गंतव्य स्थल की छवि को धूमिल ही किया। बदले हुए हालात में कार्नी प्रशासन को इस वर्ग को आश्वस्त करने के लिये तेजी से काम करना होगा। वह वर्ग जो कनाडाई अर्थव्यवस्था में अरबों का योगदान देता है तथा उसके कुशल कर्मियों की संख्या को बढ़ाता है। भारत को पिछली कटुता को भुलाकर बेहतर संबंधों हेतु उदारता का परिचय देना चाहिए। आने वाला वक्त बताएगा कि कार्नी प्रशासन खालिस्तानी उग्रवाद और प्रवासियों संबंधी कट्टरता जैसे संवेदनशील मुद्दों को कितने बेहतर ढंग से संभालता है। वैश्विक व्यवस्था में बदलाव और अमेरिकी राजनीति में अनिश्चितता के बावजूद भारत व कनाडा के बीच जलवायु संबंधी मुद्दों, शिक्षा और डिजिटल नवाचार में गहरी भागीदारी की संभावना पैदा हुई है।

दुष्प्रचार साबित हुआ सीडब्ल्यूजी घोटाला

2010 में दिल्ली में आयोजित हुए राष्ट्रमंडल खेल (कॉमनवेल्थ गेम–सीडब्ल्यूजी) से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामले को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निवेदन पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बन्द कर दिया। इस मामले में कांग्रेस के दिग्गज नेता सुरेश कलमाड़ी समेत 14 लोगों को आरोपी बनाया गया था तथा तब के प्रमुख विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने शक की ऊंगलियां तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की ओर भी उठाई थी। मामले के करीब एक वर्ष बाद अस्तित्व में आई आम आदमी पार्टी ने भी इसे लेकर शीला दीक्षित की घेराबन्दी की थी जिसका लाभ उसे 2015 के विधानसभा चुनाव में मिला था। दीक्षित के नेतृत्व में शानदार काम कर रही कांग्रेस सरकार की हार हुई थी। उसके बाद हुए 2020 एवं 2025 के चुनावों में कांग्रेस का विधानसभा में नामलेवा तक न रहा। सीडब्ल्यूजी के शानदार आयोजन ने चाहे दुनिया भर में भारत की प्रतिष्ठा को ऊं चा किया हो, लेकिन इस झूठे मामले की बड़ी कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी थी। कह सकते हैं कि 2014 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार को जिन झूठे आरोपों के कारण 2014 के आम चुनावों में हार का मुंह देखना पड़ा था, उनमें कथित 2जी घोटाले और कोयला घोटाले के साथ यह आरोप भी था। भाजपा द्वारा कोल ब्लॉक की नीलामी में लगाये गये बड़े भ्रष्टाचार का आरोप भी ईडी या केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) साबित नहीं कर पाई तथा वह मामला भी बन्द हो गया।

सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत पांच लोगों के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामला हो या प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा का हरियाणा में कथित जमीन खरीद घोटाला, सरकार की जांच एजेंसियां अब तक पूछताछ ही कर रही हैं। साफ है कि कांग्रेस को इन घोटालों द्वारा भाजपा द्वारा बदनाम किया गया। टूजी स्पेक्ट्रम और कोयला खानों के आवंटन के मामले में विनोद राय ने तो माफी भी मांगी थी जो भारत के महालेखाकार थे और जिनकी रिपोर्ट में ही यह आरोप लगा था। बाद में जब उन्हें भाजपा सरकार ने राज्यसभा सदस्य बनाया था, तभी साबित हो गया था कि पूरी रणनीति बनाकर मनमोहन सिंह सरकार को बदनाम कर कांग्रेस को हराया गया था। सीबीआई का आरोप था कि कॉमनवेल्थ गेम्स– 2010 के लिए दो अनुबंधों के अवैध आवंटन से आयोजन समिति को 30 करोड़ रुपयों की हानि हुई थी। सीबीआई ने इस कथित घोटाले को लेकर 19 एफआईआर दर्ज की थीं और जनवरी 2014 में सबूतों के अभाव में अपनी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी थी, वहीं ईडी की जांच में भी किसी भी मामले में श्घोटालेश का कोई भी जिम्मेदार पकड़ा नहीं जा सका। इसे देखते हुए राउज एवेन्यू अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकृ त कर ली। इस फैसले के साथ मनी लॉन्ड्रिंग के सारे आरोप भी खत्म हो गये। इस तरह कॉमनवेल्थ गेम्स आयोजन समिति के प्रमुख सुरेश कलमाड़ी, महासचिव ललित भनोत और अन्य आरोपियों के खिलाफ जारी जांच भी समाप्त हो गयीं। कोर्ट ने स्वीकार किया कि जांच से हेराफेरी का कोई गुनाह साबित नहीं होता इसलिये ईडी द्वारा प्रस्तुत की गई समापन रिपोर्ट को उसने स्वीकार कर लिया। स्पेशल जज संजीव अग्रवाल ने टिप्पणी की कि सीबीआई पहले ही आरोपियों को बरी कर चुकी है, जिसके आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। कोर्ट ने ईडी के इस तर्क को मान लिया कि जब मनी लॉन्ड्रिंग की पुष्टि नहीं होती तो मामले को आगे बढ़ाने का कोई कारण नहीं है। सीबीआई ने पहले ही इस मामले में समापन रिपोर्ट दायर की थी जिसमें उसने कहा था कि मामले में कोई भी विश्वसनीय सबूत सामने नहीं आए हैं जिनके बल पर आरोप साबित हो सकें। उल्लेखनीय है कि 3 से 14 अक्टूबर, 2010 तक नयी दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन हुआ था लेकिन उसकी शुरुआत के पहले ही उसके मुख्य स्थल जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के निकट नए बने पैदल यात्री पुल ढह जाने से इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी इस पर खूब चर्चा हुई थी। वैसे सीडब्ल्यूजी के आयोजन से दिल्ली की सूरत काफी बदल गयी थी। विश्व के सामने देश की छवि को संवारने के लिये, जिसमें आयोजकों को सफलता व प्रशंसा दोनों ही मिली थी, अनेक नागरिक सुविधाएं विकसित हुई थीं। अनेक नवनिर्माण हुए और पुराने भवनों व स्टेडियमों का जीर्णोद्धार किया गया। शहर का नये सिरे से सौंदर्यीकरण किया गया था तथा उसे दुनिया भर से आने वाले खिलाड़ियों, दर्शकों एवं मेहमानों को प्रभावित करने वाला विश्वस्तरीय काम हुआ थाय परन्तु अनियमितताओं के अनेक आरोपों के कारण दिल्ली सरकार तथा देश की बदनामी भी बहुत हुई थी।

शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार को तो इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ा था। इसके चलते सुरेश कलमाड़ी का एक तरह से राजनैतिक कैरियर ही खत्म हो गया और आप ने बहती गंगा में हाथ धोते हुए इसका भरपूर सियासी लाभ उठाया था। उन्होंने शीला दीक्षित को श्देश की सर्वाधिक भ्रष्ट सीएमश तक कह डाला था। वैसे जिस भाजपा ने इस मामले को लेकर शीला दीक्षित तथा मनमोहन सिंह को बदनाम किया था, उसे भी चुनावी सफलता नहीं मिल पाई थी। लाभ तो आप ले गयी। हालांकि अब भी दिल्लीवासियों का मानना है कि दिल्ली का असली कायाकल्प करने वाली शीला दीक्षित थीं जिन्होंने इसी खेल आयोजन के अवसर पर देश की राजधानी में व्यापक सुधार किये थे। सवाल है कि क्या भाजपा अच्छे–भले कामों में कोई घोटाला न होने के बावजूद बदनाम करने की अपनी प्रवृत्ति समाप्त करेगी या नहीं और क्या जनता वास्तविक भ्रष्टाचार और दुष्प्रचार के बीच अंतर करना सीखेगी?

राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बन गई है टीवी पत्रकारिता

अनिल जैन

भारतीय मीडिया, खास कर टेलीविजन के राष्ट्रीय न्यूज चौनल इस वक्त अपने अल्प इतिहास में सार्वकालिक पतन के दौर से गुजर रहे हैं। ताजा मामला है कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले को लेकर उसका रवैया। कश्मीर घाटी के बाशिंदों को पिछले एक दशक में जितना बदनाम और भावनात्मक रूप से जितना आहत भाजपा की प्रोपेगेंडा मशीनरी ने नहीं किया है, उससे ज्यादा उन्हें बदनाम करने और उनके जख्मों को कुरेदने का काम देश के इन राष्ट्रीय टीवी चौनलों ने किया है। इसीलिए आम तौर पर इन टीवी चौनलों को भी अब भाजपा के प्रचार तंत्र का हिस्सा ही माना जाने लगा है। इस समय पहलगाम में आतंकवादियों के हाथों हुए भीषण नरसंहार का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। हमले के दौरान कई पर्यटकों की जान बचाने में कश्मीर के स्थानीय बांशिदों ने अहम भूमिका निभाई। हमले में मारे गए लोगों के शोक स्वरूप और आतंकवादियों के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार करने के लिए समूचे कश्मीर के लोगों ने ऐतिहासिक रूप से एक दिन के लिए श्कश्मीर बंदश रखा। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य की कानून–व्यवस्था को लेकर अपने पास कोई अधिकार न होने के बावजूद विध ानसभा का विशेष सत्र बुलाकर आतंकवादी हमले के लिए पूरे देश से माफी मांगी। इस सबके बावजूद टीवी चौनलों का रवैया कतई सकारात्मक नहीं है। उनका पूरा जोर आतंकवादियों के बहाने कश्मीरियों और पूरे देश के मुसलमानों को अपमानित करने और उनके खिलाफ नफरत का वातावरण तैयार करने और युद्धोन्माद पैदा करने पर है। टीवी चौनलों का यह रवैया छह साल पुराने उस दौर की याद ताजा कर रहा है जब केंद्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू–कश्मीर को प्राप्त विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर दिया था और उसका विभाजन कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया था। तब भी इन टीवी चौनलों ने अपने संवाददाताओं को कश्मीर भेजे बगैर ही कश्मीर के बारे में खूब मनगढ़ंत और बेसिर–पैर की खबरें अपने दर्शकों को परोसी थीं। उस समय विशेष दर्जा खत्म करने के केंद्र सरकार के फैसले से कश्मीर घाटी के लोग बेहद क्षुब्ध और निराश थे। अपना विरोध जताने के लिए उन्होंने कई दिनों तक अपना काम–काज बंद रखा था। समूची कश्मीर घाटी में लॉकडाउन जैसे हालात थे। उसी दौरान इन पंक्तियों के लेखक ने अपने साथी पत्रकार महेंद्र मिश्र के साथ हालात का जायजा लेने के लिए कश्मीर घाटी की यात्रा की थी। हम लोग वहां एक सप्ताह तक रहे थे। उस समय तमाम टीवी चौनल कश्मीर को लेकर ऐसी तस्वीर पेश कर रहे थे मानो वह किसी दूसरे देश का हिस्सा था, जिसे भारत सरकार ने हमला कर जीत लिया हो और अपना हिस्सा बना लिया है। यह बात बार–बार जोर देकर बताई जा रही थी कि अब कोई भी भारतीय वहां आसानी से जमीन खरीद सकेगा, वहां बस सकेगा। यही नहीं, भाजपा के कुछ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने तो ऐसे भी बयान दिए थे कि अब भारत के दूसरे प्रदेशों के नौजवान कश्मीर से अपने लिए दुल्हन भी ला सकेंगे। ऐसे बेहूदा बयानों को तमाम टीवी चौनल बढ़–चढ़कर दिखा रहे थे। इसी बात को सोशल मीडिया पर भाजपा का समर्थक वर्ग और भी ज्यादा भद्दे तरीके से प्रचारित कर रहा था, जिससे हर कश्मीरी बुरी तरह आहत और दुखी था, वह अपने को अपमानित महसूस कर रहा था। ऐसा महसूस करते हुए उसका दुखी होना स्वाभाविक भी था। उस समय तमाम बेखबरी टीवी चौनल रोजाना पुराने फुटेज और सरकारी दावों के आधार पर बता रहे थे कि कश्मीर घाटी में जनजीवन लगातार सामान्य हो रहा है, लेकिन श्रीनगर पहुंचकर हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही हमने पाया था कि कहीं कुछ सामान्य नहीं है। उस दिन कश्मीर में जनता द्वारा लागू लॉकडाउन का 32वां दिन था। डिजिटल इंडिया में उस श्नए कश्मीरश का जनजीवन बगैर मोबाइल फोन और इंटरनेट के पूरे 33 दिन से अपाहिज बना हुआ था। हमने एक हफ्ते वहां रहते हुए देखा था कि सरकारी स्कूल–कॉलेज खुल रहे हैं लेकिन वहां पढ़ने वाले बच्चे नदारद हैं। सरकारी परिवहन के साधन बंद थे। सरकारी दफ्तर, बैंक आदि भी खुलते थे लेकिन उनमें सन्नाटा पसरा रहता था। होटलें, रेस्टोरेंट, दुकानें पूरी तरह बंद थे। देशी–विदेशी पर्यटकों का आना पूरी तरह बंद था। डल झील में तमाम शिकारे खामोश और उदास खड़े थे। पूरे श्रीनगर में हर दस कदम पर पैरामिलिट्री फोर्स के जवान तैनात थे। हमने देखा था कि सुबह के वक्त दो घंटे के लिए खाने–पीने के सामानों की दुकानें खुलती थीं, ताकि लोग अपनी रोजमर्रा की जरुरतों का सामान खरीद सकें। बस उन्हीं दो घंटों की लड़खड़ाती और उदास चहल–पहल के बाद पूरे दिन घाटी में सन्नाटा पसरा रहता था। यही माहौल बाद में दो महीने तक और रहा था। फिर भी टीवी चौनलों की खबरों में इन सब बातों का कोई जिक्र नहीं हो रहा था। जो कुछ बताया जा रहा था, वह हकीकत से एकदम उलट यानी सरासर बकवास था। इसी वजह से घाटी के बाशिंदों में जबरदस्त गुस्सा था। उनका कहना था कि ये सारे चौनल कश्मीर के मौजूदा हालात की लगातार गलत तस्वीरें पेश कर रहे हैं। बहरहाल, इस समय पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर भी टीवी चौनलों का रोल बेहद आपत्तिजनक और गंदा है। उनकी खबरों के प्रस्तुतिकरण में वस्तुनिष्ठता सिरे से नदारद है। हमले के दौरान और हमले के बाद श्रीनगर, पहलगाम और आसपास के इलाकों के बांशिदों ने पीड़ित पर्यटकों की जिस तरह मदद की, उसे सिरे से नजरअंदाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछा और फिर उन्हें मारा। अगर यह बात सही है तो जाहिर है कि उनका मकसद इस नरसंहार के जरिये देश के हिंदुओं और मुसलमानों के बीच अलगाव व नफरत की खाई को और ज्यादा गहरा व चौड़ा करना था।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक राष्ट्र- एक चुनाव बेहद ज़रूरी : सुनील बंसल

नई दिल्ली, 14 अप्रैल को अखिल भारतीय पसमान्दा मुस्लिम मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक द्वारा आयोजित पसमान्दा मुस्लिम संवाद में "एक राष्ट्र, एक चुनाव" विषय पर इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक राष्ट्र– एक चुनाव बेहद ज़रूरी है भारतीय जनता पार्टी की सरकार एक राष्ट्र, एक चुनाव की वकालत इसलिये करती है की बार–बार चुनाव होने से देश की गति बाधित होती है एक राष्ट्र– एक चुनाव प्रणाली भारतीय लोकतंत्र के लिए हितकारी साबित होने के साथ–साथ भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए बेहद ज़रूरी है ।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री ने आगे कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन भारत के लिए स्पीड ब्रेकर हटाने जैसा है। उन्होंने कहा कि यदि यह व्यवस्था लागू होती है, तो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' (एक देश, एक चुनाव) को समय की जरूरत बताते हुए कहा कि बार–बार होने वाले चुनावों से देश की विकास गति बाधित होती है और आर्थिक संसाधनों पर भारी बोझ पड़ता है। उन्होंने कहा कि अगर पूरे देश में एक साथ चुनाव होते हैं, तो इससे राजनीतिक स्थिरता बढ़ेगी और प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होगी।

चुनावों पर खर्च और आर्थिक प्रभाव

बंसल ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्तमान में भारत में एक लोकसभा चुनाव पर करीब 1,35,000 करोड़ रुपये खर्च होते हैं, जबकि पूरे चुनावी चक्र में यह राशि 4–5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाती है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ हों, तो खर्च में भारी कटौती की जा सकती है। "एक वोट डालने पर सरकार 1400 रुपये खर्च करती है। जब हर साल कोई न कोई चुनाव होता है, तो यह खर्च कई गुना बढ़ जाता है। राजनीतिक पार्टियों के अपने चुनावी खर्चे अलग होते हैं, जिससे संसाधनों पर और भी अधिक दबाव पड़ता है।

विकास की गति पर होता है असर

सुनील बंसल ने कहा कि बार–बार चुनाव होने से सरकारों को हर छह महीने में यह साबित करना पड़ता है कि वे अस्तित्व में हैं। इससे नीति–निर्माण और विकास कार्यों पर नकारात्मक असर पड़ता है। "मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री लगातार चुनावी अभियानों में व्यस्त रहते हैं, जिससे योजनाएं जमीनी स्तर तक सही ढंग से नहीं पहुंच पातीं। इस बार के लोकसभा चुनाव में 1 करोड़ से अधिक लोगों की ड्यूटी लगी और इसमें 3 महीने का समय खर्च हुआ। यह प्रशासनिक स्तर पर एक बड़ी चुनौती बन गया है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव से राजनीतिक स्थिरता

भाजपा नेता ने तर्क दिया कि यदि देश में एक साथ चुनाव होते हैं, तो सरकारें अपने पूरे कार्यकाल में ठोस नीतिगत फैसले ले सकेंगी। बार–बार चुनाव होने से कई बार कठोर निर्णय लेने की स्थिति नहीं बन पाती। "बार–बार चुनाव से राजनीतिक प्रतिस्पर्धा बढ़ती है, जिससे कई बार व्यक्तिगत हमले और जातिगत राजनीति को बढ़ावा मिलता है। अगर चुनाव एक साथ होंगे, तो राजनीतिक स्थिरता बनी रहेगी और नीतिगत फैसले अधिक प्रभावी होंगे।"

भ्रष्टाचार और पारदर्शिता पर प्रभाव

बंसल ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भ्रष्टाचार के कोई बड़े मामले सामने नहीं आए, जिससे स्पष्ट होता है कि सरकार की नीतियां सही दिशा में हैं। एक राष्ट्र– एक चुनाव से राजनीतिक स्थिरता बढ़ेगी, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता भी मजबूत होगी। "जब कोई चुनाव लड़ता है, तो उसकी जन्म कुंडली सार्वजनिक हो जाती है। लोग खुद–ब–खुद उसकी संपत्तियों, मुकदमों और राजनीतिक गतिविधियों की जांच करने लगते हैं। इससे पारदर्शिता बढ़ती है और भ्रष्टाचार कम होता है।"

स्वयं सुरक्षा अभियान की विचारधारा घर-घर भारत माता, घर-घर सेना सम्मान

राष्ट्र एवं भारतीय सेना के वीर जवानों के सम्मान में हरित क्रांति की जन्मस्थली गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर, जिला उधम सिंह नगर उत्तराखंड (सैनिक धाम) की पावन धरा से स्वयं सुरक्षा अभियान की विचारधारा घर–घर भारत माता, घर–घर सेना सम्मान को भारत के साथ–साथ संपूर्ण विश्व में फैलने के लिए प्रयासरत हैं.....

स्वयं सुरक्षा अभियान राष्ट्र एवं भारतीय सेना के वीर जवानों के सम्मान में समर्पित है

स्वयं सुरक्षा अभियान का उद्देश्य

राष्ट्र निर्माण में भारतीय सेना के वीर जवानों का सम्मान करें।

राष्ट्र एवं भारतीय सेना के वीर जवानों का सम्मान भारत का हर नागरिक करता है, उसी सम्मान को धरातल उतारने के लिये अभियान प्रतिबद्ध है.

भारतीय सेना के वीर जवान एवं उनका परिवार नित्य हमारी सुरक्षा के लिए अपनी छोटी–छोटी खुशियों का त्याग एवं बलिदान करते हैं तो हमारी भी कोई नैतिक जिम्मेदारी बनती है।

सरकार को एक वोट हमने दिया और क्या उसके बाद संपूर्ण जिम्मेदारी सरकार की हो गई? राष्ट्र निर्माण में हमने क्या किया?

हमारे पूर्वजों (सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरु, सुखदेव – सूची बहुत लंबी है) के त्याग एवं बलिदान के कारण ही हम एक सशक्त भारत में बैठे हुए हैं तो हम अपने बच्चों को कैसा भारत देना चाहते हैं?

स्वयं सुरक्षा अभियान को विश्वास है कि आने वाले समय में संपूर्ण विश्व हमारे भारत के सामने नतमस्तक होगा कि भारत का प्रत्येक नागरिक अपने सेना के सम्मान में सेना को आर्थिक सहयोग करता है।

हम सब किसी न किसी विषय पर बिखरे हुए हैं लेकिन स्वयं सुरक्षा अभियान विश्वास करता है कि भारतीय सेना के वीर जवानों के सम्मान में हम एकता का परिचय दे सकते हैं।

यदि आप सहमत हैं तो आइए हम सब मिलकर विचार करें

1. हम सब भारत माता की जय बोलते हैं तो हमारा परम कर्तव्य होना चाहिए कि प्रत्येक भारतवासी के घर में भारत माता का चित्र अवश्य होना चाहिए।

2. भारत माता ने हमें जो कुछ दिया वह हमारे भारतीय सेना के वीर जवानों के निरंतर त्याग एवं बलिदान के कारण ही सुरक्षित है। हम सब राष्ट्र एवं भारतीय सेना के वीर जवानों का सम्मान करते हैं इस सम्मान को धरातल पर साकार करने के लिए प्रत्येक भारतवासी अपने बैंक से सीधे राष्ट्रीय रक्षा कोष अथवा माननीय प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश पर रक्षा मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए भारतीय सेना के खाते में घ1 प्रतिदिन अर्थात घ30 प्रतिमाह समर्पित करने हेतु प्रत्येक भारतीय को जागृत करने हेतु प्रतिबद्ध है" जमा होने वाली धनराशि का उपयोग देश की रक्षा वर्तमान सैनिकों भूतपूर्व सैनिकों एवं शहीदों के लिए किया जाता है....

मेरे द्वारा राष्ट्र एवं भारतीय सेना के वीर जवानों के सम्मान में चोटी खोल कर लिया गया प्रण

"मैं भी चोटीधारी ब्राह्मण अपनी शिखा की गांठ खोलकर प्रण लेता हूं कि अब अपनी शिखा में गांठ तभी लगाऊंगा जब तक इस अभियान को संपूर्ण भारत में नहीं फैला लेता और भारत के प्रत्येक सांसद, विधायक, राजनेता से भारतीय सेना के लिए समर्पित भाव प्राप्त नहीं कर लेता तब तक मैं अपनी छोटी में गांठ नहीं बंधूंगा"

रोजगार मेले में 88 अभ्यर्थियों का चयन

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजनांतर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज लखनऊ मेंरोजगार मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु रायल इनफील्ड प्रा लि भगवती प्रोडक्ट्स लि सिगटफ प्रालि जी 4एस, वारी एनर्जीस प्रा लि एवं सुजुकी मोटर्स लर्न एवं अर्न जैसी 6 प्रतिष्ठित कम्पनियाँ उपस्थित रहीं। उन्होंने कंपनियों के प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक प्रतिभागियों को चयनित करने का अनुरोध किया।

स्टूडेंट्स ने विधानसभा घेरी, पुलिस से झड़प, बैरिकेडिंग तोड़ी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बुधवार को स्टूडेंट्स ने जमकर हंगामा किया। राष्ट्रीय छात्र पंचायत के बैनर तले हजारों की संख्या में स्टूडेंट्स जीपीओ पार्क से विधानसभा का घेराव करने निकले। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प हो गई। छात्र बोले विश्वविद्यालय में छात्रसंघ बहाली हो, निजी स्कूलों पर सरकार लगाम लगाए।

प्रदर्शनकारियों ने पहले शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखी, लेकिन जैसे ही छात्रों ने विधानसभा की ओर कूच किया, मौके पर मौजूद पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हुई, और छात्रों ने बैरिकेडिंग तोड़कर नारेबाजी शुरू कर दी।

छात्र शिवम पांडेय बोले प्राइवेट स्कूलों की फीस मनमानी पर रोक लगाई जाए। शासन बहाली की प्रक्रिया जल्द शुरू हो और सार्वजनिक शिक्षा को सुलभ और सशक्त बनाया जाए। छात्रों ने आरोप लगाया प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के कारण आम आदमी बच्चों को पढ़ा नहीं पा रहा है। विरोध प्रदर्शन में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए छात्र शामिल हुए। करीब आधे घंटे तक सड़क पर ट्रैफिक जाम के हालत रहे। पुलिस को भीड़ को काबू में लाने में मशक्कत करनी पड़ी। अंत में छात्रों को शांत कराने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने छात्रों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन में छोड़ दिया।

प्रदेश के सभी मण्डलों में स्थापित होगी फूड एंड ड्रग टेस्टिंग लैब

यूपी के 12 मण्डलों के मुख्यालयों पर बनाई जा रहीं हैं नई टेस्टिंग लैब

खाद्य नमूना विश्लेषण क्षमता 36,000 प्रतिवर्ष से बढ़कर हो जाएगी 1,08,000 प्रतिवर्ष

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा और दवा गुणवत्ता को मजबूत बनाने के लिए एक विशेष पहल की है। जिसके तहत, प्रदेश के सभी 18 मण्डलों में फूड एंड ड्रग लैब स्थापित की जा रही हैं, जिसमें से 12 मण्डलों के मुख्यालयों पर नई लैब बनाई जा रही हैं। लखनऊ, कानपुर, सहारनपुर, अयोध्या, अलीगढ़ और गोरखपुर में नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जहां जुलाई माह तक टेस्टिंग का कार्य शुरू हो जाएगा। इन लैबों में उच्च तकनीकि क्षमता युक्त टेस्टिंग मशीनें लगाई जा रहीं हैं, जो प्रदेश की फूड और ड्रग सैंपल की टेस्टिंग की गुणवत्ता और क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि लाएगा। सीएम योगी का यह प्रयास दवाओं और खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट को दूर कर जन स्वास्थ्य की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की विशेष सचिव रेखा सिंह चौहान के मुताबिक मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश के सभी 18 मण्डल मुख्यालयों पर फूड एंड ड्रग टेस्टिंग की उच्च तकनीकी क्षमता युक्त लैब स्थापित की जा रही हैं। इस पहल के तहत एक ओर तो प्रदेश में पहले से स्थापित टेस्टिंग लैबों को हाई टेकनालॉजी युक्त बनाया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर 12 मण्डलों में नई लैब बनाई जा रही हैं। लखनऊ, कानपुर, सहारनपुर, अयोध्या, अलीगढ़ और गोरखपुर में नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य पूरा है। टेस्टिंग मशीनों के इंस्टालेशन के साथ ही संभवतः जुलाई माह से इन लैबों में सैपंल टेस्टिंग का कार्य शुरू हो जाएगा। इससे स्थानीय स्तर पर ही फूड एंड ड्रग सैंपलों की उच्च गुणवत्तायुक्त जांच संभव हो सकेगी। वर्तमान में प्रदेश के लखनऊ, आगरा, मेरठ, झांसी, गोरखपुर और वाराणसी में खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग की सैंपल टेस्टिंग लैब पहले से ही

कार्य कर रही हैं। अलीगढ़, आजमगढ़, प्रयागराज, कानपुर, चित्रकूट, देवीपाटन, अयोध्या, बस्ती, बरेली, मीरजापुर, मुरादाबाद, और सहारनपुर मंडल मुख्यालय में नई लैब बनाई जा रही हैं। लखनऊ में विभाग की नई बिल्डिंग का निर्माण हुआ है जिससे अब लखनऊ में खाद्य पदार्थ और ड्रग एनालिसिस अलग–अलग अंतराष्ट्रीय मानकों के आधर पर संभव हो सकेगी। नई टेस्टिंग लैबों के लिए लैब टेक्नीशियन और लैब असिटेंट के लगभग 1200 नये पदों का सृजन हुआ है, जिनकी भर्ती कर्मिक विभाग जल्द ही सुनिश्चित करेगा। यूपी के सभी संभागों में फूड एंड ड्रग सैंपल टेस्टिंग लैब की स्थापना प्रदेश की दवा और खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट की जांच क्षमता में कई गुना की वृद्धि लायेगा। खाद्य पदार्थों की सैंपल टेस्टिंग की क्षमता 300 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2016–17 में 36,000 की तुलना में 1,08,000 प्रतिवर्ष हो जाएगी। इसके साथ ही दवाओं की सैंपल टेस्टिंग क्षमता में 450 प्रतिशत वृद्धि होगी। जो 12,000 से बढ़कर 54,500 टेस्टिंग प्रतिवर्ष हो जाएगी। नई लैबों की स्थापना से जहां एक ओर प्रदेश की टेस्टिंग क्षमता बढ़ेगी। इससे स्थानीय स्तर पर खाद्य पदार्थों और दवाओं तेज और सटीक विश्लेषण भी संभव हो सकेगा। जिससे मिलावट और नकली उत्पादों पर नियंत्रण बढ़ेगा, जो न केवल जन स्वास्थ्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ये कदम प्रदेश की आर्थिक तरक्की में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाएगा।

रामजीलाल सुमन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से लगाई सुरक्षा की गुहार, योगी सरकार पर लगाए ये गंभीर आरोप, पत्र में लिखा-मुझे और मेरे

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया और आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार के इशारे पर उनकी हत्या का षड़यंत्र रचा गया है। राणा सांगा को लेकर कथित टिप्पणी करने के बाद विवादों में घिरे राज्यसभा सदस्य सुमन ने ईमेल के माध्यम से राष्ट्रपति को पत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने कहा, ''मेरे द्वारा राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान एक बयान दिया गया था। उस बयान को राज्यसभा के सभापति द्वारा कार्यवाही से हटा दिया गया था। इस प्रकार उक्त बयान की कोई प्रासंगिकता

नहीं रह गई। इसके बावजूद उस बयान को भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर राष्ट्रीय मीडिया एवं सोशल मीडिया में प्रसारित किया गया। उन्होंने दावा किया कि इस कारण गत 22 मार्च, 2025 से उनकी हत्या करने, जीभ काटने, गर्दन काटने, गोली मारने जैसी धमकियां दी जाने लगीं तथा बीते 26 मार्च उनके आगरा स्थित आवास पर हमला किया गया। सपा नेता ने कहा, ''इन तत्वों को शासन एवं प्रशासन का खुला संरक्षण और समर्थन प्राप्त था। उन्होंने यह दावा भी किया कि बीते 27 अप्रैल को उनके ऊपर टायरों, पत्थरों एवं ज्वलनशील तेल फेंककर हत्या का प्रयास किया गया। सुमन ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उनकी हत्या का षड्यंत्र रचा गया है। उन्होंने पत्र में कहा, ''मुझे मिली ध ामकियों के संबंध में मैंने माननीय उपराष्ट्रपति, माननीय गृह मंत्री भारत सरकार को तत्काल अवगत कराया, लेकिन अफसोस की बात है कि अब तक मेरी और मेरे परिवार की सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। सुमन ने राष्ट्रपति से आग्रह किया, ''मेरी और मेरे परिवार की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का आदेश देने का कष्ट करें। सपा के राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन ने बीते 21 मार्च को राज्यसभा में मेवाड़ के शासक राणा सांगा को लेकर एक टिप्पणी की थी, जिसे सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया था। करणी सेना ने सपा सांसद के बयान को राणा सांगा का 'अपमान करार देते हुए इसका बदला लेने की घोषणा की थी। करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने सपा सांसद सुमन के आगरा स्थित आवास पर तोड़फोड़ भी की थी।

सपा द्वारा अम्बेडकर के अपमान के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के पोस्टर एवं होर्डिंग में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र से आधा चेहरा हटाकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का चेहरा जोड़ने से नाखुश बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बुधवार को समाजवादी पार्टी द्वारा किए गए बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के अपमान के विरोध में पूरे प्रदेश में विरोध ा प्रदर्शन किया। लखनऊ में अटल चौक, हजरतगंज स्थित बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। जिला मुख्यालयों पर कार्यकर्ताओ ने अनुसूचित मोर्चा के नेतृत्व में बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष विरोध प्रदर्शन करसमाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव द्वारा किए गए बाबा साहब के अपमान के विरोध में प्रदर्शन किया।पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर ने शिक्षा, समानता और संवैधानिक मूल्यों के लिए जीवनभर संघर्ष किया। लेकिन अपने पूरे जीवन में सिर्फ परिवारवाद की राजनीति करने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव बाबा साहब के बराबर खड़े होने का दुस्साहस कर रहे है। उन्होंने कहा सपा की होर्डिंगों और पोस्टरों में बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की आधी तस्वीर काटकर उसमें अखिलेश यादव का चित्र जोड़ना बाबा साहब का अपमान है।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि क्या समाजवादी पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को यह नही पता कि संविधान शिल्पी बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर न किसी जाति के थे, न किसी पार्टी के? वे विचारधारा थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव को उनके समक्ष प्रस्तुत करना सीधे तौर पर दलितों, वंचितों के संघर्ष का अपमान है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का पूरा जीवन समाजिक न्याय और अधिकारों की लड़ाई में बीता जबकि अखिलेश यादव का पूरी राजनीति अपने पिता द्वारा दी गई कुर्सी बचाने में लगी रही। परिवारवाद का सबसे बडेध उदाहरण समाजवादी पार्टी ने क्या कभी किसी दलित नेता को मुख्यमंत्री बनाया? क्या किसी को समाजवादी पार्टी ने संगठन का शीर्ष नेतृत्व सौंपा?श्री चौधरी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के नाम से बने संस्थानों से डॉ. आम्बेडकर का नाम हटा दिया था। ये वही अखिलेश यादव है जिनके मंत्री आजम खां ने बाबा साहब को सार्वजनिक रूप से भू–माफिया बताया और मुख्यमंत्री रहते हुए भी उन्होंने कुछ नही किया।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव की तस्वीर को डॉ. आम्बेडकर के बराबर लगाना न सिर्फ अहंकार है बल्कि दलित समाज की भावनाओं के साथ किया गया एक निंदनीय खिलवाड़ है। बाबा साहब के अपमान को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नही किया जाएगा।राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने कहा कि समाजवादी पार्टी का इतिहास दलितों के विश्वासघात से भरा है। अब बाबा साहब की छवि से दलितों को छलने की कोशिश हो रही है। यह राजनीतिक ध ोखाधड़ी है। सपा की राजनीति मुस्लिम तुष्टीकरण, जातीय ध्रुवीकरण पर आध ारित रही है, ये जनता समझ चुकी है। बाबा साहब का अपमान करने वालों को जनता कभी भी माफ नही करेगी।

अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचन्द्र कन्नौजिया ने कहा कि दलितों की राजनीति करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव अब सिर्फ प्रतीकों की शरण में है क्योंकि उनके पास न नीति है, न नीयत। पोस्टर और भाषणों से ना तो दलितों का भला होता है और ना ही इतिहास बदला जा सकता है।राज्यसभा सांसद बृजलाल ने कहा कि दलित समाज जानता है कि अखिलेश यादव को सिर्फ दो चीजों की चिंता है। मुस्लिम वोट बैंक और अपने परिवार की विरासत।

यही वजह है कि वे कभी भी किसी दलित को अपनी सत्ता और संगठन में शीर्ष पद नही देते।विधान परिषद सदस्य लालजी निर्मल ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव को बाबा साहब का अपमान करने वाले इस शर्मनाक प्रयास के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।प्रदर्शन में राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला, राज्यसभा सांसद बृजलाल, एमएलसी लालजी निर्मल, मुकेश शर्मा, लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी व जिला अध्यक्ष विजय मौर्या सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आशियाना जैन मन्दिर मे धूमधाम से मनाया गया अक्षय तृतीया पर्व

लखनऊ (संवाददाता)। जैन महिला मण्डल आशियाना की ओर से जैन मन्दिर में बुधवार को अक्षय तृतीया पर्व ध ूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव के प्रथम पाणना (आहार) के उपलक्ष्य श्री ऋषभदेव विधान का आयोजन जैन मन्दिर आशियाना में किया। विधान में मत्रोच्चारण डॉ. अभय कुमार जैन ने किया। शान्तिधारा समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश जैन द्वारा सम्पन्न करायी गयी और वेदी पर पूजन विकास जैन ने किया। आयोजन में महिला मण्डल की अध्यक्ष अल्पना जैन, डॉ सविता जैन स्वीटी, रिमझिम शाह, सरिता, संगीता, किरण, राखी, मंजू, ज्योति जैन आदि ने अर्घ्य समर्पित कर पुण्यार्जन किया। जैन मिलन आशियाना की ओर से अध्यक्ष संजीव जैन, बृजेश जैन ने इक्षुरस का वितरण कराया। डॉ. अभय कुमार जैन ने बताया किध आज ही के दिन हस्तिनापुर के राजा श्रेयांश ने तीर्थंकर ऋषभदेव का प्रथम आहार मे गन्ने का रस (इक्षुरस) दिया था। ऋषभदेव ने राजा को आशीर्वाद देते हुये कहा कि आज का दिन आहारदान दिवस से प्रचलित रहेगा।

धरना प्रदर्शन से जाम, समतामूलक चौराहे से हजरतगंज जाने वाले रास्ते रहे ब्लॉक

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में बुधवार सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक जाम की स्थित बनी रही। हजरतगंज में सपा के खिलाफ होने वाले प्रदर्शन और लखनऊ विश्वविद्यालय में चुनाव बहाली को लेकर होने वाले प्रदर्शन के चलते काफी देर तक वाहनों की आवाजाही बंद रही। हजरतगंज जाने वाले रास्तों पर जाम लग गया। वहीं लालबाग में सड़क धंसने से जाम लग गया। इंजीनियरिंग चौराहे के पास ई–रिक्शा के चलते जाम लग गया। हजरतगंज में होने वाले प्रदर्शन के चलते समतामूलक चौराहे से हजरतगंज जाने वाले रास्तों पर भी जाम की स्थित बनी रही। जिससे घंटो इन रास्तों पर वाहन रेंगते नजर आए।

कस्बा मारहरा में बाइक डेकोरेशन की दुकान में लगी आग

शॉर्ट सर्किट से पेंटर की दुकान में आग लगने से लाखों रुपए का सामान जला

मारहरा कस्बा । बाइक डेकोरेशन की दुकान में सुबह शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी आग इस आग में लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। दुकानदार जगदीश कुमार पेंटर ने नुकसान का आकलन 4 से 5 लख रुपए का बताया है। कस्बा मारहरा के बापू मार्केट में दुकान थी। गांव बुडरा निवासी जगदीश कुमार की बाइक गाड़ी डेकोरेशन की दुकान है वह रोजाना की तरह शाम को दुकानदारी के बाद ताला डालकर घर चले जाते थे। लेकिन सुबह लगभग 5:00 बजे अचानक बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से दुकान में आग लग गई। आग की सूचना फोन के माध्यम से दी दुकान मालिक को तब वो आया तब तक दुकान में पूरी तरह से आग लग गई। आसपास के लोगों ने आग को काबू में करने का काफी प्रयास किया। लेकिन तब तक सारा सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो चुका था

जगदीश ने बताया कि दुकान में कंप्यूटर , लैपटॉप, मशीन, रेडियम स्टीकर , बाइक डेकोरेशन का सामान था जिसकी कीमत लगभग 4 से 5 लख रुपए बताई जा रही है। इसी दुकान से वह अपना पाषाण पोषण करते थे । सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे लेखपाल श्याम बाबू एव राजरव निरीक्षक ने घटना स्थल का जायजा लेकर अपने उच्चाधिकारियों को अवगत कराया है ।

दीपक कुमार ब्यूरो चीफ

मौसम में बढ़ती गर्मी की मार लोग पड़ रहे बीमार

मारहरा कस्बा । मौसम में बढ़ती गर्मी एव बाजार का खुला खानपान लोगों की सेहत पर असर डाल रहा है बड़ी संख्या में युवा बच्चे और टाइफाइड मलेरिया की चपेट में आ रहे हैं 6 दिन में ही 25 मरीजों मे टाइफाइड पुष्टि हो चुकी है। जैसे जिले मे बदलते मौसम का असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है लोग फीवर की चपेट में आ रहे हैं मरीजों की संख्या मैं लगातार बूद्दि हो रही है चिकित्साक ऐसे मरीजों की जांच करा रहे हैं की जांच में मरीजों में टाइफाइड मलेरिया की पुष्टि भी हो रही है चिकित्साक मरीजों का इलाज करने के साथ ही आवश्यक सलाह भी दे रहें हैं लोग पड़ रहे बीमार इस में पाचन तंत्र प्रभावित हो जाता है लेकिन समय के साथ–साथ शरीर के कई अन्य अंग भी प्रभावित होने लगते हैं टाइफाइड मलेरिया के रोगियों को पेट दर्द , दस्त ,कब्ज और वजन कम होने जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

दीपक कुमार ब्यूरो चीफ

यूपी कप प्रतियोगिता में सभी वर्गों के खिलाड़ी ले सकेंगे हिस्सा

कानपुर (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश टेबल टेनिस संघ की कार्यकारिणी सभा मंगलवार को लखनऊ स्थित एक होटल में हुई। इसमें संघ के अध्यक्ष संजीव पाठक के नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों के लिए होने वाली यूपी कप प्रतियोगिता को पूर्ण राज्य रैंकिंग का दर्जा दिया गया। अब इसमें सभी वर्गों के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे।

प्रदेश में खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एक और रैंकिंग प्रतियोगिता की घोषणा की गई। यह प्रतियोगिता अलीगढ़, लखनऊ, बरेली, कानपुर व गोरखपुर में होंगी। सभा में बताया गया कि इस वर्ष स्टेट चैंपियनशिप गौतमबुद्धनगर में खेली जाएगी।

2025–26 में खेल निदेशालय व प्रदेशीय क्रीड़ा संघों के समन्वय से प्रदेशीय प्रतियोगिताएं कराने के लिए प्रस्ताव निदेशक खेल को भेजा गया। सब जूनियर प्रतियोगिता का आयोजन जुलाई में झांसी में, जूनियर प्रतियोगिता अगस्त में गोरखपुर में, सीनियर प्रतियोगिता सितंबर में रायबरेली में कराने पर सहमति बनी।

वेटरन रैंकिंग प्रतियोगिताएं आगरा, पीलीभीत व स्टेट चैंपियनशिप इलाहाबाद में होगी। पैरा खिलाड़ियों की प्रतियोगिताएं लखनऊ व कानपुर में होंगी। इस वर्ष से सभी खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन जिला टेबल टेनिस संघ के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा।

पेंटर का था पांडु नदी में मिला शव, हत्या की आशंका

कानपुर (संवाददाता)। गुजैनी थानाक्षेत्र में सोमवार को पांडु नदी में मिला शव बर्रा पांच पेंटर बृजेंद्र शर्मा (75) का था। वह शनिवार शाम से लापता थे। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई है। पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने पर बिसरा सुरक्षित रखा गया है।

बृजेंद्र के बेटे आशु ने बताया कि पिता अक्सर रास्ता भूल जाते थे। शनिवार शाम वह घर से दोस्त की दुकान जाने की बात कह कर निकले थे, लेकिन काफी देर तक नहीं लौटे। पत्नी किरण उन्हें ढूंढते हुए दुकान पर पहुंची तब वह वहीं थे। बहू के कहने पर वह उसके पीछे–पीछे घर के लिए चल दिए।

हालांकि वहां से वह किसी और गली में मुड़ने की वजह से गुम हो गए। पत्नी ने उन्हें फोन करके सूचना दी तो वह भी पिता की तलाश करते रहे, लेकिन पता नहीं चला। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इस बीच पांडु नदी में शव मिलने की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं जिन्हें देखकर दोस्तों ने शव मिलने की सूचना दी।

उन्होंने आशंका जताई कि जिस जगह पर पिता का शव मिला है। वह जगह उनके घर से करीब पांच किमी दूर है। साथ ही गुम होने के वक्त पिता पैंट शर्ट पहने थे, लेकिन शव पर सिर्फ अंडरवियर और बनियान था। गुजैनी थाना प्रभारी विनय तिवारी ने बताया कि पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई है। सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है।

शुक्लागंज में यातायात व्यवस्था बेपटरी, लंबा जाम, बिना सूचना रास्ते बंद

उन्नाव (संवाददाता)। जिले के शुक्ला गंज में यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो गई। सुबह से ही नवीन पुल पर भारी यातायात का दबाव रहा। बालूघाट से नवीन पुल तक के संकरे रास्ते में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। नवीन पुल से फोरलेन तक का पूरा इलाका जाम की चपेट में आ गया। टीआई सुनील सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस के दो दर्जन से अधिक जवान मौके पर पहुंचे। जाम हटाने के प्रयास किए गए, लेकिन सफलता नहीं मिली। यातायात पुलिस ने बिना पूर्व सूचना के मनोहर नगर और शक्ति नगर के रास्ते बंद कर दिए। इससे वाहन चालकों की परेशानी और बढ़ गई। पौनी रोड, हाईवे और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को वैकल्पिक मार्ग से जाना पड़ा। गर्मी के मौसम में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और युवा पानी और छांव के लिए परेशान होते रहे। कानपुर जाने वाले यात्री घंटों जाम में फंसे रहे। कई लोगों की जरूरी मीटिंग और कार्यक्रम विलंबित हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि दस मिनट के सफर में रोजाना घंटों जाम में फंसना अब आम बात हो गई है। वाहनों का दबाव कम होने पर ही जाम से कुछ राहत मिली। जाम के दौरान पश्चिमी क्षेत्र के कई मोहल्लों से आने वाले लोगों को बालूघाट मोड़ से नहीं जाने दिया गया। पुलिसकर्मियों ने उन्हें दुर्गा मंदिर कट से जाने के लिए कहा, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। इससे गुस्साए वाहन चालकों की पुलिसकर्मियों से कई बार नोकझोंक हुई। वहीं, सीताराम कॉलोनी गली से निकलने वालों को भी उल्टे रास्ते भेजा गया, जिससे यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

सेंट लारेंस स्कूल का शानदार प्रदर्शन

आईसीएसई में जतिन 99.20 प्रतिशत और आईएससी में वैष्णवी 97.50 प्रतिशत के साथ टॉपर

उन्नाव (संवाददाता)। उन्नाव में काउंसिल फॉर दि इंडियन स्कूल सर्टीफिकेट एग्जामिनेशन (आईएससी) की परीक्षाओं में सेंट लारेंस स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मंगलवार को घोषित नतीजों में आईसीएसई (कक्षा 10) में जतिन सिंह ने 99.20:अंकों के साथ जिले में पहला स्थान प्राप्त किया। आईसीएसई में स्कूल के ही रुद्रांश यादव ने 98.40:और मो. अकमल खान ने 97. 40:अंकों के साथ क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। आईएससी (कक्षा 12) में सेंट लारेंस की वैष्णवी गुप्ता ने 97.50:अंकों के साथ जिला टॉपर का स्थान प्राप्त किया। जेएन शाह स्कूल के विवेक राज श्रीवास्तव 97:और रियांश गौतम 96:अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

परीक्षा परिणाम सुबह 11 बजे ऑनलाइन जारी किए गए। सफल छात्रों ने स्कूल पहुंचकर अपनी सफलता का जश्न मनाया। टॉपर जतिन सिंह ने नियमित पढ़ाई और समय के सही उपयोग को अपनी सफलता का कारण बताया। वैष्णवी गुप्ता ने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया। सभी सफल छात्रों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता–पिता के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। स्कूल प्रशासन ने टॉपर्स को सम्मानित किया। छात्र–छात्राएं दोस्तों के साथ सेल्फी लेकर और सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर अपनी खुशी साझा करते नजर आए।

बिजली विभाग के संविदा कर्मियों में आक्रोश, 5 मई से कार्य बहिष्कार की चेतावनी

उन्नाव (संवाददाता)। जिले के बिजली विभाग में कार्यरत संविदा कर्मचारियों ने प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। हसनगंज विद्युत वितरण खण्ड के अजगैन और नवाबगंज उपखंड कार्यालय के कर्मचारियों ने विभाग को लिखित ज्ञापन सौंपा है। कर्मचारियों को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है। विभाग ने फेसियल अटेंडेंस अनिवार्य कर दी है। कर्मचारियों से 24 घंटे काम लिया जा रहा है। बिना पूर्व सूचना के एसएसओ, हेल्पर और गैंग के कर्मचारियों को हटाया जा रहा है। कम स्टाफ होने से बचे हुए कर्मचारियों पर अत्यधिक कार्यभार है। इससे कार्यस्थल पर तनाव बढ़ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि 24 घंटे काम लेना श्रम कानूनों का उल्लंघन है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 5 मई से काम बंद कर देंगे। इससे विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में विभागीय प्रबंधन जिम्मेदार होगा। कर्मचारियों की मांग है कि नियमित वेतन भुगतान किया जाए। 8 घंटे से अधिक काम न कराया जाए। सेवा समाप्ति से पहले उचित सूचना दी जाए।

स्थानीय विद्युत उपभोक्ताओं को चिंता है कि कार्य बहिष्कार से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित होगी। इससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

पटरंगा थाने की टीम ने 17 वारंटी अपराधियों को किया गिरफ्तार

अयोध्या (संवाददाता)। अयोध्या के पटरंगा थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में 17 वारंटी अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी अपराधी विभिन्न मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नय्यर के निर्देश पर चलाए गए अभियान में यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी और क्षेत्राधिकारी रुदौली आशीष निगम के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी शशिकांत यादव की टीम ने 30 अप्रैल 2025 को यह गिरफ्तारी की। गिरफ्तार किए गए अपराधियों में उदयराज, काशीराम, तुलसीराम, गंगाराम रावत, मंगल रावत, रामहेतु उर्फ पुल्लू, ननकऊ, मंटू, शमशेर, तिलक, कामता, सुमेरी रावत, मोहम्मद खालिद, विपत रावत, अमृतलाल, रज्जब अली और अकबर अली शामिल हैं। ये सभी अपराधी पटरंगा थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों के रहने वाले हैं। सिविल जज जूनियर डिवीजन अयोध्या की अदालत ने इन सभी के खिलाफ गैर–जमानती वारंट जारी किया था।

टेनरियों का गंदा पानी गंगा में, डीजल का पैसा जेब में, अधिकारी बोले- जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई

कानपुर (संवाददाता)। कानपुर में प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक गंगा की निर्मलता और स्वच्छता का हर अभियान शहर से ही शुरू करते हैं। हालांकि गंगा की निर्मलता के लिए जिम्मेदार विभागों पर इसका कोई असर नहीं दिखता। महाकुंभ के बाद फिर टेनरियों का रसायनयुक्त पानी गंगा में सीधे गिराया जाने लगा है। जब भी ट्रीटमेंट प्लांट की बिजली जाती है, डीजल खर्च बचाने के चक्कर में जेनरेटर नहीं चलाया जाता है।

इससे करीब दो से तीन करोड़ लीटर टेनरियों का पानी सीधे गंगा में जाता है। मंगलवार को भी यही स्थिति रही। जाजमऊ क्षेत्र में टेनरियों और सीवरेज के नालों के दूषित पानी को शोधित करने के लिए पहले एक ट्रीटमेंट प्लांट लगाया गया था। अब दोनों के लिए अलग–अलग प्लांट होने के बावजूद गंगा में दूषित पानी सीधे गिराए जाने का खेल जारी है।

गंगा में दूषित पानी जाते हुए मिला

समय–समय पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की प्रदेश और केंद्रीय इकाई की टीमें औचक निरीक्षण भी करती हैं, लेकिन सुधार नहीं हो रहा है। ऐसी स्थिति में जाजमऊ से लेकर उसके आगे तक गंगा का पानी अक्सर काले रंग का दिखता है। शनिवार को भी बोर्ड की एक टीम ने यहां का औचक निरीक्षण किया था, जिसमें टीम को गंगा में दूषित पानी जाते हुए मिला था।

इन कारणों से गंगा मैली

बिजली जाने के बाद जेनरेटर नहीं चलाया जाता है। रोजाना 24 घंटे में चार से पांच घंटे बिजली कटती है। जेनरेटर चलाने के लिए विभाग से डीजल का जो बजट मिलता है, उसे जेब में रख लिया जाता है।

अभी टेनरियों के सामने से पुरानी कन्वेंशन लाइन गुजरी है, जो कई जगह से ब्लॉक है। इस कारण कई टेनरियों का पानी ट्रीटमेंट प्लांट में नहीं जा पा रहा है। इनका पानी ओवरफ्लो होकर गंगा का मैला कर रहा है। नई कन्वेंशन लाइन के अब तक न बन पाने से टेनरियां गंगा में दूषित पानी भेज रही हैं।

टेनरियों के लिए पानी का प्रयोग करने के मानक निर्धारित हैं। यदि टेनरियों का पानी प्लांट में भेजा जाता है, तो उसकी मानीटरिंग होती है कि किस टेनरी ने कितना पानी बहाया। इससे बचने के लिए टेनरियों से चोरी छिपे पानी गंगा में सीधे बहाया जाता है। इसके लिए यहां पर एक चोर नाला भी बना हुआ है। दिन में उस नाले में पानी का बहाव नाम मात्र का ही रहता है, लेकिन रात के समय बहाव तेज हो जाता है। यह बहाव टेनरियों से सीधे गंगा में छोड़े जाने वाले दूषित पानी का होता है।

बाईपास कर भेजते पानी

जाजमऊ में जल निगम का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) संचालित है। 36 एमएलडी से सीवरेज तो 20 एमएलडी की क्षमता के एसटीपी से टेनरियों का पानी शोधित किया जाता है। सूत्रों के मुताबिक प्लांट को बाईपास कर गंदा पानी गंगा में बहाया जाता है।

लाइट जाने पर नहीं चला जनरेटर

जाजमऊ स्थित 20 एमएलडी के प्लांट में सोमवार को दोपहर अचानक लाइट चली गई थी। इसके बावजूद जनरेटर नहीं चलाया गया। इस वजह से दो घंटे तक गंदा पानी बिना शोधित हुए गंगा में जाता रहा। मंगलवार को भी यही स्थिति रही। सूत्रों के मुताबिक, प्लांट भी अभी तक पूरी क्षमता से नहीं चलाया जा रहा, जबकि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 13 मई तक सभी टेनरियों को इस प्लांट से जोड़ने का निर्देश दे रखा है।

600 के आसपास टेनरियां संचालित

कागजों पर तो शहर में करीब 249 टेनरियां संचालित हैं, लेकिन छोटी–बड़ी मिलाकर करीब 600 के आसपास टेनरियां चल रही हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का स्पष्ट निर्देश है कि सभी टेनरियों का गंदा पानी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में ही जाना चाहिए।

पांडु नदी भी हो रही दूषित

पनकी, साइट नंबर–3 स्थित एमटीसी के पास फैक्टरियों का दूषित पानी एक पक्के नाले से पांडु नदी में गिराया जा रहा है। इसके अलावा साइट नंबर–2 में लगभग आधा दर्जन चोर नालों से रात के वक्त नदी में केमिकलयुक्त पानी छोड़ा जाता है। भौंती में पांडु नदी पुल के सामने गत्ता फैक्टरी से भी गंदा पानी बहाया जाता है।

कभी जनरेटर खराब होने से समस्या होती है, लेकिन उसे तुरंत सुधार लिया जाता है। फिर भी यदि गंगा में कहीं से भी पानी सीधे जा रहा है, तो उसका निरीक्षण कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

–मोहित चक, प्रोजेक्ट मैनेजर, जल निगम

नई कन्वेंशन लाइन क्यों नहीं पड़ पाई, बुधवार को मौके पर जाकर निरीक्षण करूंगा। –अजीत कुमार सुमन, क्षेत्रीय अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

नाबालिग की मौत,घर में साड़ी के फंदे से लटका मिला शव

उन्नाव (संवाददाता)। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के हसनापुर गांव में बुधवार को एक 17 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। मृतका वर्षा का शव उसके घर के कमरे में साड़ी के फंदे से लटका मिला। घटना के समय वर्षा के पिता ठाकुर प्रसाद और मां सीमा सोहरामऊ क्षेत्र के मेले में कॉस्मेटिक की दुकान पर थे। वर्षा घर पर अपने भाई–बहनों के साथ थी। वह चार बहनों में दूसरे नंबर की थी। उसके परिवार में छोटी बहनें मुस्कान और गायत्री तथा छोटा भाई बादल हैं। खेत से लौटे बादल ने कमरे में बहन का शव लटका देखा। उसकी चीख–पुकार सुनकर पड़ोसी एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची हसनगंज कोतवाली पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। कोतवाली प्रभारी संदीप शुक्ल के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मृतका की मां, बहनें और भाई की हालत खराब है। गांव में शोक का माहौल है।

फैक्ट्री से लौट रहे कर्मचारी को बाइक ने मारी टक्कर,गंभीर रूप से घायल

उन्नाव (संवाददाता)। लखनापुर गांव के जान मोहम्मद (55) को बुधवार को एक अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जान मोहम्मद मकदुमपुर स्थित एक निजी फैक्ट्री में काम करते हैं। वह ड्यूटी खत्म होने के बाद साइकिल से घर लौट रहे थे। घटना लखनापुर गांव के बाहर हुई। परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल जान मोहम्मद को नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। हालत नाजुक देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

अक्षय तृतीया पर धार्मिक आयोजन, सुंदरकांड पाठ और हवन संपन्न

उन्नाव (संवाददाता)। बांगरमऊ के पश्चिम में स्थित बाबा बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में अक्षय तृतीया के अवसर पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुंदरकांड पाठ, हवन और प्रसाद वितरण शामिल रहा। आचार्य पंडित रामदेव शास्त्री और भागवताचार्य पंडित सतीश त्रिपाठी ने अन्य आचार्यों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान भोलेनाथ का पूजन किया। मंदिर के महंत श्री सेवा चौतन्य ब्रह्मचारी ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर आरती की। सुंदरकांड पाठ के उपरांत महिलाओं और पुरुषों ने हवन में आहुतियां दीं। कार्यक्रम में एडवोकेट संजीव त्रिवेदी, ऋषि बाजपेई, सुधीर कुमार मिश्रा, वीरेंद्र अवस्थी समेत कई प्रमुख लोगों का सहयोग रहा।

धार्मिक आयोजन में अल्वी मिश्रा प्रधान, रोहित पांडेय, हिमांशु दीक्षित, मनोज बाजपेई, हरि शरण तिवारी, स्नेहलता शुक्ला, सत्यवती तिवारी, प्रियंका अवस्थी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ का श्रवण कर पूजन–अर्चन में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया।

शुभम के भाई का भी आया रिजल्ट, हासिल किए 81.4 प्रतिशत अंक, बोला- भैया होते तो माहौल कुछ दूसरा ही होता

कानपुर (संवाददाता)। आईसीएसई बोर्ड 10वीं में 81.4 प्रतिशत अंकों के साथ पास हुए शुभम द्विवेदी के चचेरे भाई सौमित्र की रिजल्ट देखते ही आंखों में आंसू आ गए। सौमित्र ने बताया कि शुभम भैया यदि आज हमारे साथ होते, तो घर का माहौल कुछ दूसरा ही होता।

रिजल्ट के पहले भैया बोलते थे कि जिस दिन रिजल्ट आएगा पास हो जाओगेश्तो जो बोलोगे तुमको वह सबकुछ मिलेगा। इसके साथ ही सौमित्र ने बताया कि शुभम भैया मेरे मार्गदर्शक थे। उन्होंने मुझे ग्यारहवीं में कॉमर्स विषय लेने की सलाह दी थी।

मेरे मांगने पर दिलाई थी जैकेट

वो हमेशा व्यापारिक क्षेत्र में ही जाने की सलाह देते थे। उनके मार्गदर्शन में ही मैने ग्यारहवीं में कॉमर्स विषय की पढ़ाई शुरू की है। सौमित्र ने बताया कि इस बार मेरे जन्मदिन पर वह गिफ्ट नहीं दे पाए थे, फिर मेरे मांगने पर उन्होंने एक जैकेट दिलाई।

सबसे ज्यादा खुशी भैया मनाते

उसको अब जीवन भर उनकी याद में अपने सीने से लगाकर रखेंगे। भैया हमेशा कार्टून के नाम से मुझको पुकारते थे बहुत सारे नाम रख रखे थे। यदि आज भैया हमारे साथ होते, तो मेरे पास होने की खुशी सबसे ज्यादा वही मनाते।

डीसीएम की टक्कर में एमए के छात्र की मौत, पेपर देकर लौट रहा था घर

उन्नाव (संवाददाता)। जिले में एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय एमए छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान रायबरेली जनपद के गुरबक्शगंज क्षेत्र के ग्राम सताओ निवासी संदीप कुमार के रूप में हुई है। संदीप अचलगंज से एमए का पेपर देकर बाइक से घर लौट रहा था। गोकुलपुर गांव के पास एक तेज रफ्तार डीसीएम ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में संदीप की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार को एक राजगीर के जरिए फोन पर सूचना मिली। संदीप पढ़ाई के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी निभा रहा था। वह एमए की पढ़ाई के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। परिजनों ने डीसीएम चालक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने चालक की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। डीसीएम और चालक की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

शीलिंग हाउस के स्पर्श सक्सेना 10वीं व जयपुरिया की इनया 12वीं में शहर टॉपर

कानपुर (संवाददाता)। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने बुधवार को 10वीं और 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए। 10वीं में शीलिंग हाउस के छात्र स्पर्श सक्सेना ने 99.80 और 12वीं में सेठ आनंदराम जयपुरिया की छात्रा इनया द्विवेदी ने 99.25 फीसदी अंकों के साथ शहर टॉप किया है। परिणाम में इस साल भी छात्राएं आगे निकलीं। 10वीं में छात्राओं का परिणाम जहां 98.84 फीसदी गया, वहीं छात्रों का 98.05 फीसदी रहा। 12वीं में 99.25 फीसदी छात्राएं और 98.47 प्रतिशत छात्र पास हुए।

प्रदेश में 10वीं का ओवरऑल परिणाम 98.40 और 12वीं का 98.82 फीसदी गया। शहर में 10वीं में 7800 और 12वीं में 5400 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। 10वीं में शीलिंग हाउस के छात्रों का दबदबा रहा। स्कूल की छात्रा आरोही वर्मा 99.60 फीसदी अंक के साथ शहर में दूसरे कुंज गुप्ता 99.20 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे और निश्चल गुप्ता 99 फीसदी अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। वहीं, द चिंटल्स स्कूल के युवराज 99.40 फीसदी अंक के साथ शहर में तीसरे और

यहीं की अनुष्का सिंह 99.20 फीसदी अंक के साथ चौथे स्थान पर रहीं।

इसी तरह वीरेंद्र स्वरूप किदवईनगर के श्रीवत्स वाजपेयी, अक्षिता अस्थाना, अर्जुन उमराव व मर्सी मेमोरियल स्कूल की सोहम चावला 99 फीसदी अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। 12वीं में सेठ आनंदराम जयपुरिया के शिवांशु खेमका, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर अवधपुरी की मिताली कटियार और वीरेंद्र स्वरूप किदवईनगर की वर्तिका गोयल, मान्या अग्रवाल 99 फीसदी अंक के साथ शहर में दूसरे स्थान पर रहीं। वीरेंद्र स्वरूप किदवईनगर की तनिष्का सिंह 98.80 फीसदी अंक के साथ तीसरे और सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के प्रियांश रुंगटा 98.75 फीसदी अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। शीलिंग हाउस स्कूल की अनुजा राठी, हर्षिका जैन, मोहम्मद शाहजेब, श्रुति शुक्ला, यशवर्धन सिंह और द चिंटल्स स्कूल की तन्मयी रोहरा 98.50 फीसदी अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

बस्ती में समाजवादी पार्टी के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन, बाबा साहेब की तस्वीर से छेड़छाड़ का लगाया आरोप

बस्ती (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर से कथित छेड़छाड़ और उसमें अखिलेश यादव की तस्वीर जोड़ने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को ज़ोरदार प्रदर्शन किया। नगर पालिका परिषद, बस्ती स्थित अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर आयोजित इस विरोध कार्यक्रम में भाजपा के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भारी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी का पुतला भी दहन किया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा, "बाबा साहेब के चेहरे के साथ अपना चेहरा जोड़कर अखिलेश यादव न केवल अपना अहंकार दिखा रहे हैं, बल्कि करोड़ों दलितों के संघर्ष का भी मज़ाक उड़ा रहे हैं। यह कृत्य दलित समाज का सीधा अपमान है।" उन्होंने सपा पर दलितों के शोषण और उनके अधिकारों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सपा के कार्यकाल में डॉ. अंबेडकर के नाम से जुड़े संस्थानों से उनका नाम हटाया गया था और आजम खां जैसे नेताओं द्वारा बाबा साहेब के प्रति अपमानजनक टिप्पणी किए जाने पर भी अखिलेश यादव ने चुप्पी साधे रखी।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने काली पट्टियाँ बांधकर और विरोधात्मक तख्तियाँ लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। पार्टी ने अखिलेश यादव से सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की है।

भाजपा नेताओं ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब के आदर्शों को सम्मान देने के लिए पंचतीर्थ की स्थापना की और 'भीम ऐप' जैसी पहलें शुरू कीं, जो समाज में समानता और एकता को प्रोत्साहित करती हैं।

भाजपा ने घोषणा की है कि जिला मुख्यालय से लेकर गांव–गांव तक इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे, जिसमें दलित समाज की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

इस कार्यक्रम का संचालन अखण्ड प्रताप सिंह ने किया। मौके पर पूर्व विधायक रवि सोनकर, दयाराम चौधरी, चन्द्र शेखर मुन्ना, गोपेश्वर त्रिपाठी, प्रमोद पाण्डेय, भानु प्रकाश मिश्र, अभिषेक कुमार, राकेश श्रीवास्तव, अंकुर वर्मा, गिल्लम चौधरी, प्रत्युष विक्रम सिंह, अरविंद पाल, नागेंद्र बहादुर सिंह, लवकुश शुक्ल, सुरेन्द्र चौधरी, सचिन सिंह, दिलीप पाण्डेय, रोली सिंह, सर्वजीत भारती, अमित गुप्ता, अनिल पाण्डेय, रमेश चक्रवर्ती, अभिनव उपाध्याय, कुंदन वर्मा, सतेंद्र सिंह भोलू, शिव पूजन राजभर, गौरव अग्रवाल, प्रमोद कन्नौजिया सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर में लगेंगे 10 नए वाटर कूलर, चित्रांश क्लब ने की अमहट घाट के सौंदर्यीकरण की मांग

बस्ती (संवाददाता)। जिले में बढ़ती गर्मी को देखते हुए चित्रांश क्लब ने नगर में पेयजल और स्वच्छता व्यवस्था सुधारने की पहल की है। क्लब अध्यक्ष प्रकाश मोहन श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा और भाजपा नेता अंकुर वर्मा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने शहर में पुराने वाटर कूलरों की मरम्मत और नए वाटर कूलर लगाने का प्रस्ताव रखा। साथ ही जीवनदायिनी कुंआनो नदी के अमहट घाट पर स्वच्छता और सौंदर्यीकरण की मांग की। उनका कहना था कि गर्मी में स्वच्छ पेयजल और घाटों की साफ–सफाई जरूरी है। नगर पालिका अध्यक्ष ने शहर में जल्द ही 10 नए वाटर कूलर लगवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने अमहट घाट पर स्थायी स्वच्छता व्यवस्था और सौंदर्यीकरण की योजना भी शीघ्र लागू करने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल में क्लब संस्थापक राजेश चित्रगुप्त, अजय कुमार श्रीवास्तव, अविनाश श्रीवास्तव, डॉ. कृष्ण कुमार प्रजापति, अनिल कुमार पाण्डेय, डॉ. मुनौव्वर हुसैन, शेषनारायण गुप्ता, उमंग शुक्ला, अयाजुर्रहमान और पंकज पाण्डेय मौजूद थे। नागरिकों को उम्मीद है कि जल्द ही पेयजल और घाट की स्थिति में सुधार होगा।

गैस सिलेण्डर चोरी करने वाले दो चोरो को पैकोलिया पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए कब्जे से चोरी का माल बरामद किया

पैकोलिया, बस्ती (संवाददाता)। जनपद बस्ती में स्थित थाना पैकोलिया पुलिस द्वारा गैस सिलेण्डर चोरी करने वाले दो चोरो को गिरफ्तार करते हुए कब्जे से चोरी का माल बरामद किया गया है, आपको बताते चले कि थाना पैकोलिया पुलिस बल द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर गैस सिलेण्डर चोरी करने वाले आरोपियों को दिनांक 30.04.2025 प्रातः 01.00 बजे दिन में क्षेत्रान्तर्गत हड़ही बाजार से गिरफ्तार कर उनके निशानदेही पर ग्राम पकड़ीजप्ती मैभिया पुलिया के पास से चोरी का माल बरामद कर कब्जा पुलिस में लेकर आवश्यक कार्यवाही किया जा रहा है। ज्ञात्वय है कि दिनांक 27.04.25 को वादी मुकदमा द्वारा थाना स्थानीय पर सूचना दिया गया कि दिनांक 25.

04.2025 को करीब 19 बजे के आस पास हड़ही बाजार स्थित उनके सोने व बर्तन की दुकान के सामने से दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गैस सिलेण्डर चोरी कर लिया गया है। जिसका फुटेज सीसीटीवी कैमरे में कैद है। उक्त सूचना पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 69/2025 धारा 303(3) बीएनएस अभियोग पंजीकृत कर माल मुल्जिम की तलाश किया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपियों में शत्रुधन उर्फ जिन्दाबाद दूबे पुत्र स्व0 राधिका प्रसाद दूबे निवासी ग्राम बसहा थाना पैकोलिया जनपद बस्ती उम्र करीब 27 वर्ष, सुनील कुमार उर्फ शनि पुत्र छविलाल सा0 चोरखरी (धुसवा) थाना पैकोलिया जनपद बस्ती उम्र करीब 25 वर्ष शामिल रहे!

आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में प्र0नि0 थाना पैकोलिया धर्मेन्द्र कुमार यादव, जनपद बस्ती, उ0नि0 सूर्यभान सिंह, उ0नि0 गिरिजेश साहनी थाना पैकोलिया बस्ती, का0 नवीन वर्नवाल, हे0का0 देवनाथ यादव, का0 संगम प्रजापति थाना पैकोलिया जनपद बस्ती शामिल रहे।

युवती ने घर के कमरे में लगाई फांसी, दूसरे गांव में युवक ने भी दी जान

बस्ती (संवाददाता)। जिला के रुधौली थाना क्षेत्र में दो अलग–अलग गांवों से युवक–युवती की मौत की खबर सामने आई है। दोनों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छतरिया गांव में 21 वर्षीय नंदिनी गौड़ ने अपने घर के कमरे में दुपट्टे से फांसी लगा ली। वह दो बहनों में दूसरे नंबर की बहन थी। उनके तीन भाई भी हैं। उनके पिता पारसनाथ रसोइया का काम करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार दुबे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने भी मौके का निरीक्षण किया। सीओ स्वर्णिमा सिंह ने घटना स्थल का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। घटना से दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। रुधौली थाना क्षेत्र के थुम्हवा पांडे में तीस वर्षीय युवक ने घर के अंदर कमरे में कुंडी से फांसी मे लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। वहीं युवक की मौत को लेकर परिवार में रोना पीटना पड़ा हुआ है। थुम्हवा पाण्डेय निवासी तीस वर्षीय मनोज कुमार प्रजापति पुत्र रामरतन प्रजापति अज्ञात कारणों से मकान के अंदर कमरे में छत की कुंडी से फांसी पर लटक कर आत्महत्या कर ली। उसकी मौत को लेकर परिवार में रोना पीटना पड़ा हुआ है। मौत की सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार दुबे मौके पर हमराहियों के साथ पहुंचकर तथा फोरेंसिक टीम पहुंचकर छानबीन किया है। तथा शब को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। मृतक मनोज कुमार अपने माता–पिता का इकलौता पुत्र था। मृतक के दो पुत्र तथा एक पुत्री हैं।

जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने गौशाला एवं सहकारी संघ गेहूं क्रय केन्द्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

बस्ती (संवाददाता)। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने विकास खण्ड कप्तानगंज के ग्राम सड़वलिया में स्थित गौशाला एवं सहकारी संघ कप्तानगंज गेहूं क्रय केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। ग्राम सड़वलिया में स्थित गौशाला के निरीक्षण में उन्होने पाया कि गौशाला पर दो कर्मचारी कार्यरत है, जिनको मार्च 2025 तक मानदेय मिला है। गौशाला केन्द्र पर 42 पशु है, जिनकी टैगिंग की गयी है। उन्होने दैनिक रजिस्टर को देखा, जो अद्यतन नहीं पाया गया।

उन्होने पाया कि पानी पीने के लिए टंकी बनी हुई है एवं भूसा पर्याप्त है तथा बाउन्ड्रीवाल नहीं बनी है। इस परिसर से बाहर दो बीघा में हरा चारा बोया गया है। उन्होने पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि परिसर के बगल स्थित बंजर भूमि में चारे को उगाये एवं दैनिक रजिस्टर को प्रतिदिन अपडेट करें तथा खण्ड विकास अधिकारी बाउन्ड्रीवाल बनाने की कार्यवाही करें।

सहकारी संघ कप्तानगंज गेहूं क्रय केन्द्र के निरीक्षण में उन्होने पाया कि केन्द्र पर गेहूँ का तौल नहीं किया जा रहा है। बताया गया कि कल 29 अप्रैल को 14 कुन्तल गेहूँ का तौल ग्राम में किया गया है, किन्तु लाया नहीं गया है। उन्होने देखा कि गेहूँ का क्रय बहुत कम किया गया है। इस स्थिति पर उन्होने केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया कि ग्राम में जाकर कृषको से सम्पर्क कर अधिक से अधिक गेहूँ क्रय करवाया जाय। निरीक्षण के समय केन्द्र प्रभारी विजय भान पाण्डेय एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

अखिलेश यादव की फोटो लगाने पर भाजपा ने किया विरोध, माफी मांगने की मांग

बस्ती (संवाददाता)। जिले में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आधी तस्वीर हटाकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीर लगाने का मामला सामने आया है। इस कार्य को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। कटेश्वर पार्क परिसर में बुधवार को भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने काला फीता बांधकर प्रदर्शन किया और अखिलेश यादव से माफी की मांग की। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह कार्य दलित समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उनका आरोप है कि समाजवादी पार्टी वोट बैंक की राजनीति के लिए दलित प्रतीकों का इस्तेमाल कर रही है। जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने अखिलेश यादव से सार्वजनिक माफी और पोस्टर हटाने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति पर भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन में भाजपा नेता अखंड प्रताप सिंह, बागीश सिंह, सत्येंद्र सिंह भोलू, प्रमोद पांडे, रोली सिंह, अंकुर वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नाबालिग द्वारा चलाए ट्रैक्टर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

बहराइच (संवाददाता)। जिले के हुजूरपुर थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। बसंतपुर के चंदू पुरवा निवासी गुरु सहाय घर से बाहर निकले थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें टक्कर मार दी। घायल गुरु सहाय को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिरैयाटांड़ में भर्ती कराया गया।

कोलकाता के होटल में भीषण लगी आग से 14 की मौत पर पीएम मोदी ने जताया दुख, मुआवजे का किया ऐलान

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के बड़ा बाजार स्थित एक होटल में आग की चपेट में आने से 14 लोगों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया। साथ ही उन्होंने मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे का भी ऐलान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर बताया, ष्कोलकाता में आग लगने की दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। इसके अलावा, घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। पश्चिम बंगाल के भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी घटना पर

दुख जताया। उन्होंने एक बयान में कहा, ष्छुआ बाजार के एक होटल में लगी आग में 14–15 लोगों की मौत हो गई, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह महज एक घटना नहीं है बल्कि यह हत्या है, क्योंकि ऐसी घटनाएं बार–बार हो रही हैं। कोलकाता में स्थिति बेहद खराब है। फायर ब्रिगेड मंत्री और मुख्यमंत्री को इस पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन मुख्यमंत्री के पास समय ही कहां है। वह सिर्फ जश्न मनाने में व्यस्त हैं। चश्मदीद चंचल गुप्ता ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि होटल में आग मंगलवार देर रात करीब 9 बजे के आसपास लगी थी। आग लगने के बाद दमकल विभाग की टीम को मौके पर पहुंचने में एक घंटा लगा था और करीब ढाई घंटे के बाद आग पर काबू पाया जा सका। सुबह साढ़े चार बजे के आसपास शवों को होटल से बाहर निकाला गया। इस हादसे में करीब 18 से 20 लोगों की मौत हुई है। यह घटना मंगलवार देर रात की है। कोलकाता के बड़ा बाजार के मछुआ फल मंडी स्थित ऋतुराज होटल में अचानक आग लगी थी। यह आग इतनी भीषण थी कि इसने कुछ ही देर में पूरे होटल को अपनी चपेट में ले लिया और होटल के अंदर धुआं भर गया। इस दौरान होटल में मौजूद कुछ लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे। हालांकि, धुएं की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई।

भारतीय सेना के साथ खड़ा है पूरा देश : केसी त्यागी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को निर्दोष पर्यटकों पर गोलियां बरसाने वाले आतंकियों पर सख्त कार्रवाई करने के लिए भारतीय सेना को पीएम मोदी की ओर से दी गई खुली छूट पर जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि पूरा देश भारतीय सेना के साथ खड़ा है।

बुधवार को न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान केसी त्यागी ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में जिस तरह से आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाया। पूरा देश गुस्से में है। केंद्र सरकार से सभी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पीएम मोदी ने पूरे मामले पर नजर बनाई हुई है। 29 अप्रैल (मंगलवार) को पहलगाम घटना को लेकर पीएम मोदी की अध्यक्षता में एक हाईलेवल बैठक हुई। इस बैठक में पीएम मोदी ने तीनों सेनाओं को खुले तौर पर छूट दी है कि वह तय करे कि उन्हें कब और कैसे दुश्मनों पर प्रहार करना है। पीएम मोदी के साथ पूरा देश है।

यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के एक ट्वीट पर जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि ऑल पार्टी मीटिंग में सभी दलों के नेता ने एकजुटता का परिचय दिया था। आतंकवाद के खिलाफ सेना जो भी कार्रवाई करेगी उसके साथ सभी दल एकजुट रहेंगे। बता दें कि यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, "पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सभी पार्टियों को एकजुट होकर सरकार के हर कदम के साथ खड़े होना चाहिए, न कि इसकी आड़ में पोस्टरबाजी व बयानबाजी आदि के जरिए घिनौनी राजनीति की जानी चाहिए, क्योंकि इससे लोगों में कन्फ्यूजन पैदा हो रहा है, जो देशहित में ठीक नहीं।" दूसरे पोस्ट में मायावती ने लिखा, "इस प्रकरण में भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर का भी अपमान कतई ना किया जाए। खासकर सपा व कांग्रेस को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए, वरना बीएसपी इनके विरुद्ध सड़कों पर भी उतर सकती है।"

विधानसभा चुनावों से पहले आयोग की बड़ी पहल, अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

नयी दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में बिहार के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। बुधवार को नयी दिल्ली में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम, आगामी विधानसभा चुनावों के लिए आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस मिश्रित बैच प्रशिक्षण कार्यक्रम में जमीनी स्तर के कुल 369 चुनाव अधिकारी भाग ले रहे हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ–साथ बीएलओ और ईआरओ सही और अपडेट मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, मतदाता पंजीकरण नियम 1960 और समय–समय पर ईसीआई से जारी निर्देशों के अनुसार सख्ती से काम करना है। इस महीने की शुरुआत में, बिहार के 10 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लगभग 280 बीएलए को भी आईआईडीईएम में प्रशिक्षित किया गया था। यह प्रशिक्षण, मतदाता पंजीकरण, फॉर्म हैंडलिंग और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्र–स्तरीय कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया है। इसमें अधिकारियों को ईवीएम और वीवीपैट का तकनीकी प्रदर्शन और प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रतिभागियों को आरपी अधिनियम 1950 की धारा 24 (ए) के

तहत डीएम/जिला कलेक्टरध्कार्यकारी मजिस्ट्रेट और धारा 24 (बी) के तहत राज्य,केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के साथ प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के खिलाफ पहली और दूसरी अपील के प्रावधानों से भी परिचित कराया गया। इस साल 6 से 10 जनवरी तक विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) अभ्यास पूरा होने के बाद बिहार, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से कोई अपील दायर नहीं की गई थी।

पाठ्यक्रम में संवादात्मक सत्र, घर–घर सर्वेक्षण, केस स्टडी और फॉर्म 6, 6ए, 7 और 8 भरने के लिए व्यावहारिक अभ्यास शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को वोटर हेल्पलाइन ऐप (वीएचए) और बीएलओ ऐप पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त होगा। आयोग के आईटी और ईवीएम प्रभागों के अनुभवी राष्ट्रीय स्तर के मास्टर प्रशिक्षक (एनएलएमटी) और विशेषज्ञ सत्र चला रहे हैं। ये सत्र संवादात्मक हैं और इनमें क्षेत्र–स्तरीय सामान्य त्रुटियों और उनसे बचने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी।

सीआईएससीई के 10वीं और 12वीं के रिजल्ट जारी, लड़कियों ने फिर मारी बाजी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने आईसीएसई और आईएससी का रिजल्ट बुधवार को घोषित कर दिया। इस बार का रिजल्ट 99 प्रतिशत से अधिक रहा है। सीआईएससीई ने छात्र–छात्राओं को सफलता पर बधाई दी है। आईसीएसई (कक्षा 10वीं) का रिजल्ट 99.09 फीसदी रहा, जबकि आईएससी (कक्षा 12वीं) का रिजल्ट 99.02 फीसदी रहा है। इस साल के रिजल्ट की खास बात यह रही है कि दोनों ही परीक्षाओं में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। आईसीएसई (कक्षा 10वीं) में लड़कियों का पास प्रतिशत 99.37 रहा तो वहीं आईएससी (कक्षा 12वीं) में यह आंकड़ा 99.45 रहा है। सीआईएससीई ने बताया कि इस साल

आईसीएसई कक्षा 10 की परीक्षा 18 फरवरी से 27 मार्च तक और आईएससी कक्षा 12 की परीक्षा 13 फरवरी से 5 अप्रैल तक आयोजित की गई थी। इसके परिणाम आधिकारिक वेबसाइट सीआईएससीई डॉट ओआरजी पर जाकर देखा जा सकता है। सीआईएससीई के मुख्य कार्यकारी और सचिव डॉ. जोसेफ इमैनुएल ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन ने 10वीं और 12वीं परीक्षाओं के परिणाम बुधवार सुबह 11 बजे घोषित किए।

सरकार के जाति जनगणना के फैसले का रालोद ने किया स्वागत

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी ने भारत सरकार के जाति जनगणना कराने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल भी जाति जनगणना के सदैव पक्ष में रहा है। उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा जाति जनगणना के पक्ष में निर्णय लेने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सम्पूर्ण कैबिनेट का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।श्री त्यागी ने कहा कि भारत में जाति जनगणना की मांग लम्बे समय से चली हा रही थी जिसे एनडीए सरकार ने देशवासियों की भावनाओं को समझा और उनकी भावना के अनुरूप राष्ट्रहित में किये गये

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक विश्वजीत शर्मा ने वंदना ऑफसेट प्रिंटर्स ए-9, सराय पीपलथला एक्स, दिल्ली - 110033 से छपवाकर जे-852, प्रथम तल, जहांगीरपुरी, दिल्ली-110033 से प्रकाशित किया।
सम्पादक: महेश चंद्र redrosenews.24seven@gmail.com Regd. RNI No : DELHIN/2007/21149
MO : 9717921531 || कोई भी कानूनी वाद-विवाद दिल्ली न्यायालय में तय होगा ||